न्यूज़ टुडे

कार्बी आंगलोंग क्षेत्र में अशांति को समाप्त करने के लिए त्रिपक्षीय शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए गए

- कार्बी आंगलोंग क्षेत्र में वर्षों से जारी हिंसा को समाप्त करने के लिए असम के **पांच विद्रोही समूहों, केंद्र** सरकार और **राज्य सरकार** ने एक त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।
  - **कार्बी आंगलोंग** और उत्तरी कछार पहाड़ियों को शामिल करते हुए एक पृथक राज्य हेतु **कार्बी विद्रोह** उन कई विद्रोहों में से एक है, जिनका असम द्वारा वर्षों से सामना किया जा रहा है। इस विद्रोह के अतिरिक्त **बोडोलैंड आंदोलन** और असम की संप्रभुता के लिए **यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (उल्फा/ULFA)** के नेतृत्व में संचालित एक आंदोलन असम राज्य द्वारा सामना किए जा रहे प्रमुख विद्रोह हैं।

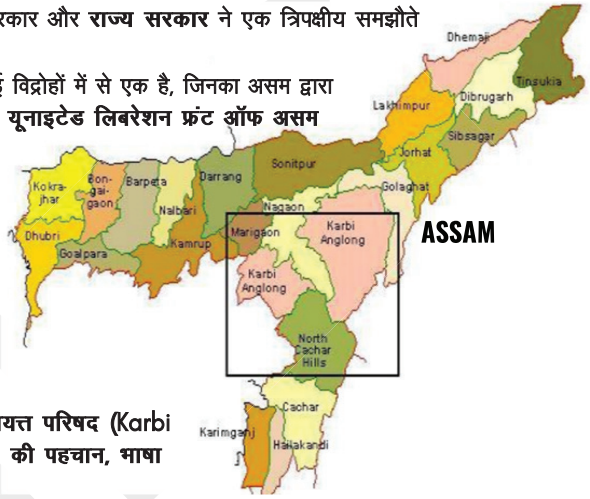

- **समझौते के मुख्य तथ्य**
  - 1,000 से अधिक ऐसे **सशस्त्र कैडरों का पुनर्वास** किया जाएगा, जिन्होंने हिंसा का त्याग कर दिया है और वे मुख्यधारा में शामिल हो गए हैं।
  - **केंद्र सरकार** असम सरकार को आगामी पांच वर्षों में 1,000 करोड़ रुपये का **विशेष विकास पैकेज** उपलब्ध कराएगी। इस **पैकेज द्वारा राज्य कार्बी क्षेत्रों के विकास के लिए विशिष्ट परियोजनाएं** आरंभ करने में सक्षम होगा।
  - केंद्र सरकार के अनुसार असम की क्षेत्रीय एवं प्रशासनिक अखंडता को प्रभावित किए बिना **कार्बी आंगलोंग स्वायत्त परिषद** (Karbi Anglong Autonomous Council: KAAC) **को अधिकाधिक स्वायत्तता का हस्तांतरण; कार्बी लोगों की पहचान, भाषा और संस्कृति की सुरक्षा; तथा परिषद क्षेत्र के केंद्रित विकास** को प्राथमिकता दी जाएगी।

कार्बी आंगलोंग

- यह **असम का सबसे बड़ा जिला** है। इसमें विभिन्न जनजातीय और नृजातीय समूह जैसे कार्बी, बोडो, कुकी, दिमासा आदि अधिवासित हैं।
- कार्बी **नस्लीय रूप से मंगोलाइड समूह** से संबंधित हैं और **भाषाई रूप से तिब्बती–बर्मी समूह** से संबंधित हैं।
- यह भारतीय संविधान की छठी अनुसूची के तहत गठित एक **स्वायत्त जिला** है। वर्ष 1995 में, इसे **कार्बी आंगलोंग जिला परिषद** (KADC) **से कार्बी आंगलोंग स्वायत्त परिषद** (KAAC) में क्रमोन्नत किया गया था।

अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (IUCN) की नवीनतम रेड लिस्ट के अनुसार जंतुओं की 900 से अधिक प्रजातियां विलुप्त हो गई हैं

- वर्ष 1964 में स्थापित संकटग्रस्त प्रजातियों की IUCN रेड लिस्ट, **पादपों और जंतुओं की प्रजातियों के वैश्विक संरक्षण की स्थिति** के संबंध में विश्व की सबसे व्यापक सूची है।
  - IUCN अपने **वैश्विक प्रजाति कार्यक्रम** (Global Species Programme) में शामिल **प्रजातियों के विलुप्त होने के जोखिम का मूल्यांकन** करने के लिए मात्रात्मक मानदंडों के एक समूह का उपयोग करता है।
  - रेड डेटा लिस्ट IUCN, **बर्डलाइफ इंटरनेशनल, कंजर्वेशन इंटरनेशनल** आदि द्वारा गठित की गई **रेड लिस्ट पार्टनरशिप** के तहत तैयार की जाती है।
- **प्रमुख अपडेट**
  - **कोमोडो ड्रैगन** विश्व की सबसे बड़ी जीवित छिपकली है तथा इंडोनेशिया की स्थानिक प्रजाति है। इसे **वल्नरेबल से एंडेंजर्ड** सूची में स्थानांतरित कर दिया गया है।
  - सभी **थ्रेटेन्ड शार्क** और **रे** (Ray) **प्रजातियों** का अति मत्स्यन हो रहा है। साथ ही, वे **पर्यावास क्षति एवं जलवायु में हो रहे अत्यधिक परिवर्तन से भी प्रभावित हैं।**

रेड लिस्ट के अंतर्गत श्रेणियाँ

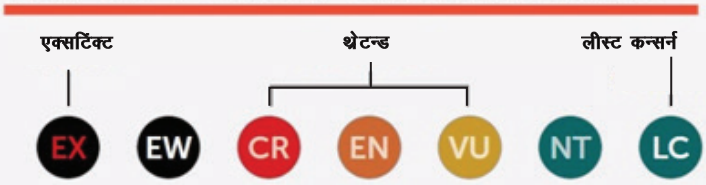

एक्सटिंक्ट(EX): कोई वैध संदेह नहीं है कि अंतिम प्रजाति भी समाप्त हो गई है।
एक्सटिंक्ट इन वाइल्ड (EW): प्राकृतिक सीमा के बाहर केवल कैप्टिविटी या प्रजनन केंद्रों में जीवित रह सकते हैं।
क्रिटिकली एंडेंजर्ड (CR): इनके वनों में विलुप्त होने की अत्यधिक उच्च संभावना है।
एंडेंजर्ड (EN): वनों में विलुप्त होने की बहुत उच्च संभावना।
वल्नरेबल (VU): वनों में विलुप्त होने के उच्च जोखिम का सामना करना पड़ रहा है।
नियर थ्रेटन्ड (NT): निकट भविष्य में थ्रेटन्ड श्रेणी में शामिल किए जाने की संभावना है।
लीस्ट कन्सर्न (LC): इनकी आबादी इतनी स्थिर है कि इसके निकट भविष्य में विलुप्त होने की कोई संभावना नहीं है।
डाटा डिफिशिएंट (DD): विलुप्त होने के जोखिम का अनुमान लगाने के लिए प्रजातियों की बहुतायत या वितरण के बारे में पर्याप्त जानकारी नहीं है।

  - सात सर्वाधिक व्यावसायिक मत्स्यन वाली टूना प्रजातियों में से चार प्रजातियों की स्थिति में सुधार के संकेत दर्ज किए गए हैं।
  - IUCN ने आधिकारिक तौर पर **"ग्रीन स्टेटस"** भी लॉन्च किया है। यह **विभिन्न प्रजातियों की पुनर्प्राप्ति का आकलन** करने तथा **संरक्षण प्रभावों के मापन** हेतु स्थापित प्रथम वैश्विक मानक है।
- **अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (IUCN) (1948, मुख्यालय: ग्लैंड, स्विट्जरलैंड)**
  - IUCN विश्व का **सबसे पुराना वैश्विक पर्यावरण संगठन** है। इसमें **1400 से अधिक सदस्य** (सरकार और नागरिक समाज संगठन दोनों से संबंधित) हैं।
  - IUCN **वैश्विक संरक्षण एजेंडा** निर्धारित करने के लिए प्रत्येक चार वर्षों में **"IUCN वर्ल्ड कंजर्वेशन कांग्रेस"** का आयोजन करता है।

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) ने स्टार्टअप्स एक्सेलेरेटर्स के लिए 'पारितंत्र' विकसित करने हेतु 10 सदस्यीय समिति का गठन किया है

- यह समिति (अध्यक्ष– अजय प्रकाश साहनी) **'उत्पाद नवाचार, विकास और संवृद्धि के लिए इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) की स्टार्टअप एक्सेलेरेटर (समृद्ध /SAMRIDH)' योजना** के क्रियान्वयन का अध्ययन करेगी।
  - यह समिति वर्तमान और आगामी **स्टार्टअप्स एक्सेलेरेटर्स** को समर्थन प्रदान करने के लिए एक प्रक्रिया विकसित करेगी।
  - तत्पश्चात ये एक्सलेरेटर्स, सकारात्मक सामाजिक प्रभाव उत्पन्न करते हुए भारत की समस्याओं का समाधान करने वाले सूचना प्रौद्योगिकी–आधारित स्टार्ट–अप्स का चयन करेंगे तथा उन्हें इस कार्य में आगे बढ़ाएंगे।
  - उन्हें **चयनित स्टार्टअप्स की आवश्यकताओं के अनुरूप** अनुकूलित एक्सेलेरेटर कार्यक्रम भी निर्मित करने होंगे।
- **समृद्ध (SAMRIDH):**
  - इसे हाल ही में **300 स्टार्टअप्स की पहचान** करने और उनकी **आगामी तीन वर्षों में ग्राहक संपर्क, निवेशक संपर्क और वैश्विक पहुंच** में सहायता करने के लिए आरंभ किया गया है।
  - स्टार्टअप्स के वर्तमान मूल्यांकन और वृद्धि के चरण के आधार पर इनमें **चयनित एक्सेलेरेटर्स के माध्यम से 40 लाख रुपये तक का निवेश** किया जाएगा।
  - यह **एक्सेलेरेटर**/निवेशक द्वारा संतुलित निवेश की सुविधा भी प्रदान करेगा।
  - इसे MeitY **स्टार्टअप हब** (MSH) द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है।

भारत में स्टार्टअप तंत्र

- भारत में **विश्व का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप तंत्र है।**
- देश अब **विश्व स्तर पर तीसरा सबसे बड़ा यूनिकॉर्न** (1 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक मूल्य) हब है।
- लगभग 40% स्टार्टअप्स **टियर–II और टियर–III शहरों** में कार्यशील हैं।
- स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के लिए **'स्टार्टअप इंडिया' और 'स्टार्टअप इंडिया सीड फंड स्कीम'** प्रमुख पहलें हैं।

जैव ईंधन (Biofuel) क्षेत्र में उभरते अवसर

- वैश्विक स्तर पर, **कृषि** से प्रत्येक वर्ष **140 बिलियन टन** बायोमास उत्पन्न होता है। यह लगभग 50 बिलियन टन तेल के समतुल्य है।
  - भारत में, लगभग **235 मिलियन मीट्रिक टन** अधिशेष फसल अवशेष उत्पादित होता है। इसमें से केवल **10 प्रतिशत** का ही जैव ईंधन में रूपांतरण होता है।
  - इस अधिशेष फसल अवशेष के संपूर्ण उपयोग से देश की ऊर्जा आवश्यकताओं के **17 प्रतिशत** की पूर्ति की जा सकती है।
- जैव ईंधन ऐसा तरल ईंधन है, जो जैविक सामग्री जैसे **वृक्ष, कृषि अपशिष्ट, फसल या घास** से प्राप्त होता है।
  - इसके **परिवहन क्षेत्र, ऊष्मा और विद्युत उत्पादन** आदि में विभिन्न अनुप्रयोग हैं।
- **जैव ईंधन का महत्व**
  - ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करता है और यह ऊर्जा का एक नवीकरणीय स्रोत है।
  - आय के अतिरिक्त स्रोत के रूप में किसानों को लाभान्वित करने में सहायक है।
  - बायोमास के प्रसंस्करण व भंडारण समाधानों के माध्यम से नए व्यवसायों के लिए अवसर और रोजगार सृजन को सक्षम बनाता है।
- **जैव ईंधन को प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए सरकार की नीतियां**
  - **राष्ट्रीय जैव ईंधन नीति, 2018:** इस नीति के अंतर्गत **वर्ष 2030 तक 20% इथेनॉल–मिश्रण और 5% बायोडीजल–मिश्रण** के लक्ष्य को प्राप्त करने का उद्देश्य निर्धारित किया गया है।
  - वर्ष 2019 से **प्रधानमंत्री जी–वन (जैव ईंधन–वातावरण अनुकूल फसल अवशेष निवारण: JI-VAN) योजना** प्रारंभ की गई है।
  - वर्ष 2018 में **गैल्वनाइजिंग ऑर्गेनिक बायो–एग्रो रिसोर्सेज धन (गोबरधन)** (Galvanizing Organic Bio&Agro Resources: GOBAR-DHAN) योजना प्रारंभ की गई थी।
  - भारतीय खाद्य संरक्षा और मानक प्राधिकरण (FSSAI) द्वारा रिपरपज़ **यूज्ड कुकिंग ऑयल** (RUCO) **योजना** का शुभारम्भ किया गया है।

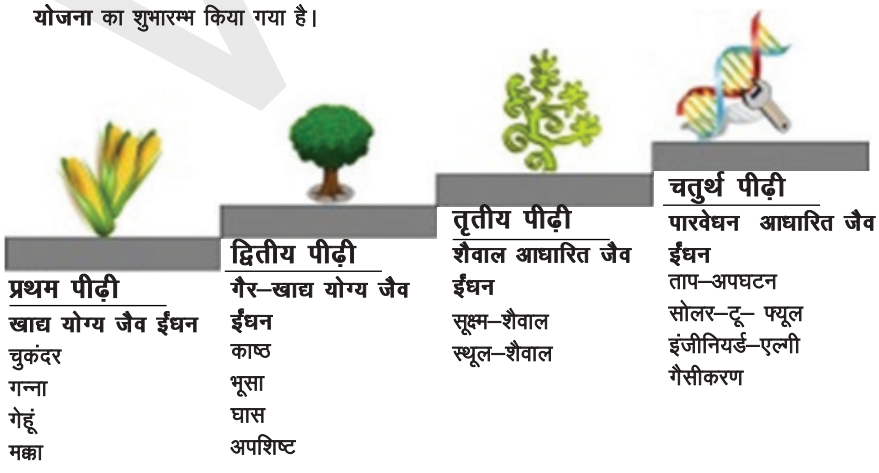

राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (NPS) के 66 प्रतिशत अभिदाता आधार के साथ अटल पेंशन योजना (APY) सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में प्रमुख हो गई है

- राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली न्यास (National Pension System Trust: NPST) की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (NPS) के 4.2 करोड़ अभिदाताओं में से **66 प्रतिशत या 2.8 करोड़** से अधिक ने वर्ष 2020–21 के अंत में अटल पेंशन योजना के विकल्प का चयन किया है।
- **अटल पेंशन योजना (APY) के बारे में**
  - इस योजना को **मई 2015** में सभी भारतीयों के लिए विशेष रूप से असंगठित क्षेत्र के निर्धन, वंचित वर्ग और श्रमिकों के लिए एक सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा प्रणाली सृजित करने के उद्देश्य से आरंभ किया गया था।
  - इसे **पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण** (PFRDA) द्वारा राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (NPS) के माध्यम से प्रशासित किया जाता है।
    - विभिन्न श्रेणियों के व्यक्तियों की आवश्यकताओं को पूर्ण करने के लिए NPS के अंतर्गत कई प्रतिरूप विद्यमान हैं। ध्यातव्य है कि APY भी ऐसे ही एक प्रतिरूप का उदाहरण है।
  - **पात्रता:** 18–40 वर्ष आयु वर्ग का भारतीय नागरिक शामिल हो सकता है।
  - इस योजना के तहत, अभिदाता को उसके योगदान के आधार पर, **60 वर्ष** की आयु प्राप्त करने के पश्चात् **प्रति माह 1,000 रुपये से 5,000 रुपये तक की गारंटीकृत पेंशन राशि** प्राप्त होगी।
  - अभिदाताओं की मृत्यु के पश्चात्, उनके पति या पत्नी को समान पेंशन राशि का भुगतान किया जाएगा।
  - अभिदाता और पति या पत्नी दोनों की मृत्यु होने पर, अभिदाता की संचित पेंशन राशि नॉमिनी को वापस कर दी जाएगी।

- **राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली** एक स्वैच्छिक व परिभाषित अभिदाय आधारित बचत योजना है।
  - NPS के तहत परिसंपत्ति और निधि की देखभाल, राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली न्यास (NPST) द्वारा की जाती है। इसे PFRDA द्वारा **भारतीय न्यास (ट्रस्ट) अधिनियम, 1882** के तहत स्थापित किया गया है।
  - वर्ष 2004 में आरंभ की गई और PFRDA द्वारा विनियमित यह योजना **18–65 वर्ष** के आयु वर्ग के भारत के सभी नागरिकों (निवासी व अनिवासी दोनों) के लिए उपलब्ध है।

अन्य सुर्खियाँ

वायु रक्षा पहचान क्षेत्र (Air Defence Identification Zone: ADIZ)

- चीनी विमानों ने ताइवान के **वायु रक्षा पहचान क्षेत्र** में प्रवेश किया।
- ADIZ **के बारे में**
  - यह भूमि या जल के ऊपर का हवाई क्षेत्र होता है, जो किसी राष्ट्र को अपने **संप्रभु हवाई क्षेत्र में संभावित घुसपैठ का पता लगाने में मदद** करने के लिए एक प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली प्रदान करता है।
  - यह देश के राष्ट्रीय हवाई क्षेत्र की सीमा से परे विस्तृत होता है।
  - ADIZs **कानूनी रूप से बाध्यकारी समझौते नहीं होते हैं।** साथ ही, विभिन्न राष्ट्रों के ADIZs एक दूसरे का अतिव्यापन कर सकते हैं।
  - **हालांकि,** कोई देश बिना किसी सूचना के उसके ADIZ में प्रवेश करने वाले विमान पर हमला नहीं कर सकता है।

'सिमबेक्स' ('SIMBEX')

- **सिंगापुर–भारत द्विपक्षीय नौसैन्य अभ्यास** का 28वां संस्करण है। इसे **दक्षिण चीन सागर** में कोविड–19 महामारी के कारण **बिना किसी मानवीय संपर्क** के 'एट–सी ओनली' अभ्यास के रूप में आयोजित किया गया था।
  - वर्ष 1994 में आरंभ किया गया सिम्बेक्स किसी भी विदेशी नौसेना के साथ **भारतीय नौसेना का सबसे लंबा चलने वाला निर्बाध द्विपक्षीय नौसैन्य अभ्यास** है।
- **महत्व– यह सामरिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्र में हितों की बढ़ती एकरूपता** का प्रतिबिंब है।

"स्पेक्ट्रल एन्हांसमेंट" (Spectral Enhancement: SPE)

- यह **कोयला संसाधनों के बेहतर मूल्यांकन हेतु कोल इंडिया लिमिटेड** (CIL) द्वारा आरंभ किया गया एक **नया सॉफ्टवेयर** है।
  - CIL एक **महारत्न कंपनी** है। यह विश्व की सबसे बड़ी कोयला उत्पादक कंपनी भी है।
- यह कोयला अन्वेषण प्रक्रिया के दौरान **भूकंपीय सर्वेक्षण** का उपयोग करके पृथ्वी की सबसे ऊपरी सतह (भूपर्पटी) के नीचे **पतले कोयले के संस्तरों की पहचान करने** और कोयला संसाधनों के मूल्यांकन में सुधार करने में सहायता करेगा।
  - यह 'मेड इन इंडिया' सॉफ्टवेयर **कोयले के अन्वेषण में समय तथा लागत की बचत करने में भी मदद करेगा।** इस प्रकार कोयला उत्पादन में **आत्मनिर्भर भारत** के मिशन को बढ़ावा देगा।

भारतीय रिज़र्व बैंक की निगरानी में गूगल–इक्विटास स्मॉल फाइनेंस बैंक निक्षेप समझौता (Google-Equitas SFB deposits deal under RBI's watch)

- गूगल ने अपने **भुगतान वॉलेट के उपयोगकर्ताओं को सावधि जमा (निक्षेप)** की पेशकश करने के लिए इक्विटास स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड के साथ एक समझौता किया है। इस प्रकार की जमा राशि को **प्रति जमाकर्ता 5 लाख रुपये तक की जमा गारंटी** द्वारा कवर किया जाएगा।
- वर्ष 2021 की भारतीय रिज़र्व बैंक की वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट (Financial Stability Report: FSR) ने वित्तीय सेवाओं के क्षेत्र में **बड़ी तकनीकी कंपनियों** (Big Tech Firms) **के बारे में चिंता व्यक्त** की थी।
  - **बड़ी तकनीकी कंपनियों** में कभी–कभी **"अपारदर्शी व्यापक शासन संरचनाएं"** होती हैं तथा इनमें "वित्तीय सेवाओं में प्रभावी अभिकर्ता" बनने की क्षमता होती है।

सरकार भारतीय लेखा मानकों को अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग मानकों के साथ संरेखित करने हेतु प्रयास कर रही है (Govt moves to align IndAS with IFRS)

- भारतीय लेखा मानक (Indian Accounting Standards: IndAS), **कुछ भिन्नताओं** जिन्हें **कर्व–आउट** कहा जाता है के साथ **अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग मानकों** (International Financial Reporting Standards: IFRS) पर आधारित हैं।
  - अब IndAS और IFRS के मध्य अंतराल को समाप्त करने के लिए इन **'कर्व–आउट' को हटाया जा सकता है।**
- वित्तीय विवरणों के लिए IFRS को पूर्ण रूप से अपनाने से उन कंपनियों को लाभ होगा जो **विदेशों में सूचीबद्ध होने के साथ–साथ वैश्विक विलय और अधिग्रहण की तलाश** में हैं।
  - भारतीय कंपनियों ने पूर्ववर्ती **सामान्यतया स्वीकृत लेखा सिद्धांतों** (Generally Accepted Accounting Principles: GAAP) के स्थान पर अप्रैल 2016 से IndAS को अपनाना आरंभ किया था।
  - IndAS को बैंकों द्वारा अपनाया जाना अभी शेष है।

डॉपलर मौसम रडार

- हाल ही में, **जम्मू** में भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के कार्यालय में अत्याधुनिक **डॉपलर मौसम रडार** (Doppler Weather Radar: DWR) और जी.पी.एस. आधारित स्वदेशी **पायलट सोंडे** का उद्घाटन किया गया।
- DWR, **डॉपलर प्रभाव** (तरंग स्रोत और पर्यवेक्षक के मध्य सापेक्ष गति के आधार पर तरंग की आवृत्ति में परिवर्तन) पर आधारित है।
  - मौसम की निगरानी के लिए, DWR वायुमंडल में **विद्युतचुंबकीय ऊर्जा संकेत प्रेषित करता है,** जो वर्ष की बूंदों या हिम से टकराकर वापस रडार की ओर परावर्तित हो जाते हैं।
  - यह गंभीर मौसम की स्थिति में पूर्व चेतावनी के लिए अग्रिम सूचना प्रदान करने में मदद कर **जीवन और संपत्ति की रक्षा करने में** सहायक है।

निपाह वायरस

- हाल ही में, **केरल के कोझीकोड जिले** में निपाह वायरस से एक बालक की मृत्यु का मामला सामने आया है।
- निपाह वायरस (Nipah Virus: NiV), एक **जूनोटिक वायरस** है। साथ ही, यह एक प्रकार का राइबोन्यूक्लिक एसिड (RNA) वायरस है। यह मनुष्यों में अपने प्राकृतिक मेजबान– **फलाहारी चमगादड़** (टेरोपोडिडे वंश) या संक्रमित व्यक्तियों या दूषित भोजन के प्रत्यक्ष संपर्क के माध्यम से फैलता है।
  - वर्तमान में, इसके लिए कोई विशेष **उपचार या टीका उपलब्ध नहीं** है तथा इसमें केवल प्राथमिक उपचार के रूप में स्वास्थ्य देखभाल प्रदान की जाती है।

वन्नियार आंदोलन

❍ वन्नियार आंदोलन वर्ष 1986 में आरंभ हुआ था। यह आंदोलन **वन्नियाकुल क्षत्रियों या वन्नियारों** द्वारा राज्य सेवाओं में 20% **आरक्षण और केंद्रीय सेवाओं में 2% आरक्षण की मांग पर आधारित** है।

➢ वन्नियार तमिलनाडु के सबसे बड़े और सर्वाधिक संगठित पिछड़े समुदायों में से हैं।

सुर्ख़ियों में रहे स्थल

❍ **पंजशीर घाटी (Panjshir Valley), अफगानिस्तान**

➢ तालिबान ने पंजशीर घाटी पर पूर्णतया अधिकार करने का दावा किया है।

➢ **स्थिति और जल निकाय– पंजशीर हिंदुकुश पर्वत** में अवस्थित है और यह संपूर्ण घाटी **पंजशीर नदी** के तट पर स्थित है, जो घाटी की लम्बाई के साथ–साथ प्रवाहित होती है।

➢ इस घाटी की लगभग 100% आबादी **नृजातीय ताजिकों** की है।

➢ **प्रमुख विशेषताएँ–** यहाँ **चांदी व पन्ना** सहित विभिन्न प्रकार के **कीमती रत्न** व **दुर्लभ मृदा तत्त्व भी प्रचुर मात्रा** में मौजूद हैं।

➢➢ इसे **आक्रमणकारियों के कब्रिस्तान** के रूप में भी जाना जाता है, क्योंकि कोई भी आक्रमणकारी इसे विजित करने में सफल नहीं हो सका था।

➢ सीमावर्ती देश: अफगानिस्तान एक भू–आबद्ध देश है, जो तुर्कमेनिस्तान, उज्बेकिस्तान, ताजिकिस्तान, पाकिस्तान, चीन और भारत से घिरा हुआ है।

❍ **गिनी (Guinea)**

➢ गिनी में एक सैन्य तख्तापलट ने तत्कालीन सरकार को भंग कर दिया है।

➢ **स्थित–** यह देश पश्चिमी अफ्रीका का भाग है और अटलांटिक तट पर अवस्थित है।

➢ **नदी निकाय:** गाम्बिया नदी व नाइजर नदी।

➢ **सीमावर्ती देश:** कोटे डी आइवर (आइवरी कोस्ट), गिनी–बिसाऊ, लाइबेरिया, माली, सेनेगल और सिएरा लियोन।

8468022022, 9019066066
www.visionias.in
/c/VisionIASdelhi /Vision_IAS /visionias_upsc /VisionIAS_UPSC
दिल्ली लखनऊ जयपुर हैदराबाद पुणे अहमदाबाद चड़ीगढ गुवाहटी